## प्लान पर उत्तर प्रदेश सरकार से दिल्ली सरकार कर रही है बात

# गंगा के पानी से यमुना होगी लबालब

Sudama.Yadav@timesofindia.com

- गंगा का पानी हिंडन से यमुना में लाने का है प्लान
- 500 क्यूसेक पानी यमुना की ओर लाने की है योजना

File Photo

**नई दिल्ली:** गंगा नदी का पानी यमुना में लाने का प्लान बनाया जा रहा है। इससे दिल्ली में यमुना सालोंभर लबालब रहेगी। दिल्ली सरकार की योजना है कि गंगा का पानी हिंडन नदी के जरिए यमुना तक लाया जाए। करीब 500 क्यूसेक पानी यमुना की ओर मोड़ने का प्लान है। इससे यमुना में फ्लो बना रहेगा।

जल बोर्ड सूत्रों के अनुसार, यमुना में निरंतर बेहतर फ्लो बनाए रखने के लिए 2500 क्यूसेक पानी की जरूरत होती है। हरियाणा को हथिनी कुंड बैराज से इतना पानी छोड़ने के लिए निर्देश भी दिया गया है। मगर, गर्मियों में हथिनी कुंड बैराज से 352 से 400 क्यूसेक पानी ही छोड़ा जाता है। इतना पानी वजीराबाद जलाशय में ही वॉटर सप्लाई के लिए स्टोर कर इस्तेमाल किया जाता है। इससे गर्मी के दिनों में वजीराबाद के आगे यमुना लगभग मृतप्राय हो जाती है।

यमुना नदी को जीवंत करने के लिए दिल्ली सरकार इस नई योजना पर विचार कर रही है। प्लान है कि गंगा का कुछ पानी यमुना में मोड़ दिया जाए, ताकि नदी का फ्लो बना रहे। इस संबंध में दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकार में बातचीत चल रही है। इस प्लान को दिल्ली सरकार ने केंद्र के सामने भी रखा है।

### ऐसे पानी लेकर आने का है प्लान

जल बोर्ड अफसरों के अनुसार गंगा-यमुना के पानी को उत्तर प्रदेश सिंचाई कमांड तक पहुंचाने के लिए दो नहरें हैं। उसमें से एक अपर गंगा कनाल और दूसरा ईस्टर्न यमुना कनाल है। अपर गंगा कनाल से मेरठ के पास बने वॉटर सप्लाई सिस्टम जानी खुर्द में 1800 क्यूसेक और खतौली में 600 क्यूसेक गंगा का पानी लाने का प्लान है। यहां से इस्टर्न यमुना कनाल से भैंसवाल में 150, बड़ौत में 350 और जावली में 100 क्यूसेक पानी लाने की योजना है। फिर पानी यमुना नदी से आगरा कनाल तक जाएगा।

nwda.gov.in